इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 123

22 नवम्बर, 2012 को उत्तर के लिए

यू.एम.एस.पी. स्थापित किया जाना

123. श्री पलवई गोवर्धन रेड्डी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गुजरात, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल जैसे कुछ राज्यों ने देश में अति बृहद् इस्पात संयंत्रों की स्थापना की संकल्पना का समर्थन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) किन कारणों से मंत्रालय ने यह कहते हुए यू.एम.एस.पी. की संकल्पना को अस्वीकार कर दिया है कि यह व्यवहार्य नहीं है; और

(घ) किस तरह से अति बृहद् इस्पात परियोजनाएं व्यवहार्य नहीं हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): जी, नहीं। गुजरात, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल और पश्चिमी बंगाल जैसे कुछ राज्यों ने देश में अल्ट्रा मेगा स्टील प्लांटों (यूएमएसपी) की स्थापना की संकल्पना का समर्थन नहीं किया है।

(ग) और (घ): स्टील प्लांटों की स्थापना के लिए अपेक्षित प्रमुख सुविधाओं में भूमि, लौह अयस्क लिंकेज, कोकिंग कोल, पावर, वाटर इत्यादि शामिल हैं। ये भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों यथा खान मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय इत्यादि अथवा संबंधित राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में हैं। तथापि, यूएमएसपी की संकल्पना पर राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक नहीं रही है। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय को कोई विनियामक अथवा सांविधिक शक्तियां प्राप्त नहीं हैं। यह मूलत: सुविधादाता अथवा समन्वयकर्ता के रूप में कार्य करता है। राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया के मद्देनजर यूएमएसपी की संकल्पना का क्रियान्वयन व्यवहार्य नहीं पाया गया है।

****